UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

M.A. Music(Tabla) 1st YEAR (MAMT-11)
एम0ए0 संगीत(तबला) प्रथम वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission: 15 May, 2012

Course Title: Taalo Ka Addhyna **Course Code: M.A.M.T.-02**

कोर्स शीर्षक: तालों का अध्ययन **कोर्स कोड: एम0ए0एम0टी0–02**

Year: 2011-12 (Summer) **Maximum Marks: 40**

सत्र : 2011–12 **अधिकतम अंक : 40**

❖ खण्ड़ क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

खण्ड़ – क

1. मार्गी ताल की विशेषताएं बताइये।
2. कला, पात, ताल, क्रिया व मार्ग पर प्रकाश डालिए।
3. गत को परिभाषित करते हुए गत के प्रकारों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।
4. मार्गी व देशी ताल पद्धति की समानताओं व असमानताओं की विवेचना कीजिए।
5. दक्षिण ताल पद्धति व उत्तर भारतीय ताल पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।
6. पाठ्यक्रम की किन्हीं चार तालों को कर्नाटक ताल पद्धति में कारण स्पष्ट करते हुए लिखिए।
7. एकल वादन, गायन, स्वर वाद्य व नृत्य के साथ संगत पर चर्चा कीजिए।
8. लय व लयकारी में तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

❖ खण्ड़ ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।

खण्ड़ – ख

1. दक्षिण ताल पद्धति की विस्तृत व्याख्या कीजिए।
2. पाठ्यक्रम की किन्हीं दो तालों में 1 उठान/मुखड़ा, 1 पेशकर (3 पल्टों सहित), 2 कायदे (3–3 पल्टों सहित),1 रेला (3 पल्टों सहित), 1 गत, 1 परन, 1 चक्करदार, 2 टुकड़े(1 सादा व 1 चक्करदार) व 1 तिहाई लिपिबद्ध कीजिए।
3. पाठ्यक्रम की किन्हीं 6 तालों का पूर्ण परिचय देते हुए उनके ठेकों को दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ व बिआड़ सहित लिपिबद्ध कीजिए।
4. प्राचीन ताल पद्धति व उत्तर भारतीय ताल पद्धति की व्याख्या कीजिए एवं दोनों का तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत कीजिए।